व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि – खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर)

जागृति - स्वयं सहायता समूह

एसएचजी/सीआईजी नाम	::	जागृति
वीएफडीएस नाम	::	बीन- पधेची
श्रेणी	::	कोटि
विभाजन	::	शिमला

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना

(JICA द्वारा वित्त पोषित)

के तहत तैयार:

विषयसूची

क्रम सं.	विवरण	पृष्ठ/पृष्ठ
1	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	3
2	लाभार्थियों का विवरण	4
3	गांव का भौगोलिक विवरण	4
4	कार्यकारी सारांश	4
5	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	5
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	5
7	उत्पादन योजना	5
8	बिक्री और विपणन	5
9	स्वोट अनालिसिस	6
10	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	6
11	अर्थशास्त्र का विवरण	7
12	आय और व्यय का विश्लेषण	8
13	निधि की आवश्यकता	8
14	निधि के स्रोत	8
15	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	9
16	ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	9
17	आय के अन्य स्रोत	10
18	बैंक ऋण चुकौती	11
19	समूह सदस्यों की फोटो	12
20	अनुबंध	13-15

1. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1	एसएचजी/सीआईजी नाम	::	जागृति एसएचजी
2	वीएफडीएस	::	पधेची हो गया
3	श्रेणी	::	कोटि
4	विभाजन	::	शिमला
5	गाँव	::	गया
6	अवरोध पैदा करना	::	मशोबरा
7	ज़िला	::	शिमला
8	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	8-महिलाएं
9	गठन की तिथि	::	27-03-2023
10	बैंक खाता सं.	::	99811300000202
11	बैंक विवरण	::	हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक जुन्गा
12	एसएचजी/सीआईजी मासिक बचत	::	100
13	कुल बचत	::	4800/-
14	कुल अंतर-ऋण	::	-
15	नकद क्रेडिट सीमा		-
16	पुनर्भुगतान स्थिति		-

2. लाभार्थियों का विवरण:

क्रमांक	नाम	पिता/पति का नाम	आयु	वर्ग	आय स्रोत	पता
1	श्रीमती सीमा शर्मा (अध्यक्ष)	श्री राजीव कुमार	41	जनरल	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला
2	श्रीमती संतोष शर्मा (सचिव)	श्री देवेन्द्र शर्मा	43	जनरल	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला
3	श्रीमती रमा शर्मा (कैशियर)	श्री राम कृष्ण शर्मा	49	जनरल	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला
4	श्रीमती राधा शर्मा	श्री राम कृष्ण शर्मा	52	जनरल	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला
5	श्रीमती ममता शर्मा	स्वर्गीय श्री राज कृष्ण	57	जनरल	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला
6	श्रीमती पिंकी शर्मा	श्री देवकी नन्द शर्मा	29	जनरल	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला
7	श्रीमती लता शर्मा	श्री जगदीश शर्मा	44	जनरल	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला
8	श्रीमती विद्या देवी	श्री सोहन लाल	43	अनुसूचित जाति ।	कृषि	वीपीओ बीन , पीओ कोटि शिमला

3. गांव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	::	35 किमी
2	मुख्य सड़क से दूरी	::	6 किमी
3	स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	::	कोटी , 6 किमी, जुन्गा 15 किमी,
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	::	चैल 18 किमी, शिमला 35 किमी
5	मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी	::	चैल 18 किमी, शिमला 35 किमी
6	मुख्य शहरों का नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणन किया जाएगा	::	कोटी , जुन्गा , चैल , शिमला

4. कार्यकारी सारांश

इस स्वयं सहायता समूह द्वारा खाद्य प्रसंस्करण (हल्दी पाउडर) आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है। यह IGA इस स्वयं सहायता समूह की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। इस समूह द्वारा शुरू में हल्दी का पाउडर बनाया जाएगा। यह व्यवसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा सालाना की जाएगी। पाउडर बनाने की प्रक्रिया में लगभग 8-10 दिन लगते हैं। उत्पादन प्रक्रिया में सफाई, धुलाई, सुखाने, ग्रेडिंग, पीसने आदि जैसी प्रक्रियाएँ शामिल हैं। शुरुआत में समूह कच्ची हल्दी का पाउडर बनाएगा लेकिन भविष्य में समूह अन्य उत्पादों का निर्माण करेगा जो इसी प्रक्रिया का पालन करते हैं। उत्पाद को शुरू में समूह द्वारा सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खुदरा विक्रेताओं और पास के बाजार के थोक विक्रेताओं के माध्यम से बेचा जाएगा।

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

1	उत्पाद का नाम	::	हल्दी पाउडर
2	उत्पाद पहचान की विधि	::	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	एसएचजी/सीआईजी/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	::	हाँ

6. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

विनिर्माण की प्रक्रिया में सफाई, सुखाने, चूर्ण बनाने, छानने और पैकेजिंग शामिल है। विनिर्माण प्रक्रिया बहुत अच्छी तरह से स्थापित है और इसमें तकनीकी बातें शामिल नहीं हैं।
सबसे पहले बिना पिसे मसालों को हाथ से साफ करके उसमें से मिट्टी और पत्थर जैसी अशुद्धियाँ निकाल दें। फिर पानी से धो लें। धूप में सुखाने के बाद उन्हें ग्रेड करके पीसने वाली मशीन की मदद से पीसकर पाउडर बना लें।
इस व्यवसाय में दीर्घकालिक सफलता पाने के लिए भंडारण और उचित वितरण महत्वपूर्ण है।

7. उत्पादन योजना का विवरण

1.	हल्दी पाउडर का उत्पादन चक्र (दिनों में)	::	8-10 दिन
2.	प्रति चक्र आवश्यक जनशक्ति (संख्या)	::	सभी महिलायें
3.	कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
4.	अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार/मुख्य बाजार
5.	प्रति माह आवश्यक मात्रा (किग्रा)	::	1000
8.	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)	::	1000

कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

क्रमांक	कच्चा माल	इकाई	समय	मात्रा (लगभग)	मात्रा प्रति किलोग्राम (रु.)	कुल राशि	प्रति माह अपेक्षित उत्पादन (किग्रा)
1	कच्ची हल्दी	किलोग्राम	महीने के	1000	50	50000	1000

8. विपणन/बिक्री का विवरण

1	संभावित बाज़ार स्थान	::	कोटी , जुन्गा , चैल और शिमला
2	इकाई से दूरी	::	क्रमशः 6 किमी, 15 किमी, 18 किमी और 35 किमी
3	बाज़ार/स्थानों में उत्पाद की मांग	::	दैनिक मांग
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार खुदरा विक्रेता/ थोक विक्रेता का चयन/सूचीबद्ध करेंगे। प्रारंभ में उत्पाद को नजदीकी बाजारों में बेचा जाएगा।
5	उत्पाद की विपणन रणनीति		स्वयं सहायता समूह के सदस्य सीधे गांव की

			दुकानों और निर्माण स्थल/दुकान से अपना उत्पाद बेचेंगे। इसके अलावा, खुदरा विक्रेता, थोक विक्रेता के माध्यम से भी नजदीकी बाजारों में उत्पाद बेचा जाएगा। शुरुआत में उत्पाद 0.5-1 किलोग्राम की पैकेजिंग में बेचा जाएगा।
6	उत्पाद ब्रांडिंग		सीआईजी/एसएचजी स्तर पर उत्पाद का विपणन सीआईजी/एसएचजी ब्रांडिंग द्वारा किया जाएगा। बाद में इस आईजीए को क्लस्टर स्तर पर ब्रांडिंग की आवश्यकता हो सकती है
7	उत्पाद “नारा”		जागृति एसएचजी का एक उत्पाद ”

9. स्वोट अनालिसिस

❖ ताकत-

- कच्चा माल आसानी से उपलब्ध
- विनिर्माण प्रक्रिया सरल है
- उचित पैकिंग और परिवहन में आसान
- उत्पाद का शेल्फ जीवन लंबा है
- घर पर बना, कम लागत

❖ कमजोरी-

- विनिर्माण प्रक्रिया/उत्पाद पर तापमान, आर्द्रता, नमी का प्रभाव।
- अत्यधिक श्रम गहन कार्य.
- अन्य पुराने और प्रसिद्ध उत्पादों के साथ प्रतिस्पर्धा करें

❖ अवसर-

- लाभ के अच्छे अवसर हैं क्योंकि उत्पाद की लागत अन्य समान श्रेणियों के उत्पादों की तुलना में कम है
- दुकानों, ¬फास्ट फूड स्टॉल्स, ¬खुदरा विक्रेताओं ¬, थोक विक्रेताओं, ¬कैंटीन, ¬रेस्तरां, ¬शेफ और रसोइयों ¬, गृहिणियों में उच्च मांग¬
- बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ विस्तार की संभावनाएं हैं।
- दैनिक खपत

❖ खतरे/जोखिम-

- विनिर्माण एवं पैकेजिंग के समय तापमान एवं नमी का प्रभाव, विशेषकर सर्दियों एवं बरसात के मौसम में।
- कच्चे माल की कीमत में अचानक वृद्धि
- प्रतिस्पर्धी बाजार

10. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे ।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

11. का विवरण अर्थशास्त्र:

ए	पूंजी लागत			
क्रमांक	**विवरण**	**मात्रा**	**यूनिट मूल्य**	**कुल राशि (रु.)**
1	ग्राइंडर मशीन	1	30000	30000
2	भंडारण टैंक	रास	10000	10000
3	तोलनयंत्र	1	2000	2,000
4	रसोईघर के उपकरण		रास	6000
5	तैयार उत्पाद भंडारण अलमारी / रैक		रास	6000
6	हाथ से संचालित पैकिंग मशीन	1-2	10000	10000
7	एप्रन, टोपी, प्लास्टिक के दस्ताने आदि		रास	1000
	कुल पूंजी लागत (ए) =			**65,000**

बी।	**आवर्ती लागत**				
क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**मात्रा**	**कीमत**	**कुल राशि (रु.)**
1	कच्चा माल	महीना	1000	50	50000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	2000	2000
4	परिवहन	महीना	1	1000	1000
5	अन्य (स्टेशनरी, बिजली, पानी का बिल, मशीन मरम्मत)	महीना	1	2000	2000
6	श्रम लागत	महीना	1		15000
	आवर्ती लागत				71000

नोट – चूंकि कच्ची हल्दी का उत्पादन समूह सदस्यों द्वारा किया जाएगा तथा श्रम कार्य भी सदस्यों द्वारा ही किया जाएगा, अतः ये लागत कुल आवर्ती लागत से कम कर दी जाएगी।

सी	**बनाने की किमत**	
क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	71000
2	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	541
	कुल	71541

डी	**विक्रय मूल्य गणना**		
क्रमांक	विवरण	इकाई	राशि (रु.)
1	बनाने की किमत	किलोग्राम	80
2	वर्तमान बाजार मूल्य	किलोग्राम	250-300
3	अपेक्षित विक्रय मूल्य	रुपये	200

12. आय और व्यय का विश्लेषण (प्रति महीने):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	पूंजीगत लागत पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास	541
2	कुल आवर्ती लागत	71000
3	कुल उत्पादन (किग्रा)	1000
4	विक्रय मूल्य (प्रति किलोग्राम)	200
5	आय सृजन (200*1000)	20000
6	शुद्ध लाभ (200000-71000)	129000
7	सकल लाभ = शुद्ध लाभ + कच्चे माल की लागत + श्रम लागत	1,94,000
8	शुद्ध लाभ का वितरण	लाभ को मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। लाभ का उपयोग आवर्ती लागत को पूरा करने के लिए किया जाएगा। लाभ का उपयोग आईजीए में आगे निवेश के लिए किया जाएगा

13. निधि की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजी लागत	65000	48,750	16250
2	आवर्ती लागत	71000	0	71000
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	50,000	50,000	0
	कुल	186,000	98,750	87,250

टिप्पणी-

- **पूंजीगत लागत** - पूंजीगत लागत का 75% परियोजना के अंतर्गत वहन किया जाएगा तथा 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा।
- **आवर्ती लागत** - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन की जाएगी।
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन** - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

14. निधि के स्रोत:

परियोजना समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा • तक 1 लाख रुपए स्वयं सहायता समूह के बैंक खाते में जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। • 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा की जाएगी।

	की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। स्वयं सहायता समूहों को नियमित आधार पर मूलधन की किश्तों का भुगतान करना होगा।	
एसएचजी योगदान	• पूंजीगत लागत का 25% हिस्सा स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा • आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी	

15. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।
निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन
- वित्तीय प्रबंधन

16. ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य (प्रति किग्रा)-उत्पादन लागत (प्रति किग्रा)
= 65000 /(200-80)
=542 किलोग्राम
इस प्रक्रिया में 542 किलोग्राम पाउडर बेचने के बाद ब्रेक-ईवन हासिल किया जाएगा।

17. बैंक ऋण चुकौती - यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई चुकौती अनुसूची नहीं है; तथापि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, पुनर्भुगतान बैंकों में निर्धारित पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार किया जाना चाहिए।
- परियोजना सहायता - 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे डीएमयू द्वारा बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी तथा यह सुविधा केवल तीन वर्षों के लिए होगी। एसएचजी/सीआईजी को नियमित आधार पर मूलधन की किस्तों का भुगतान करना होगा।

18. निगरानी विधि –

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और निष्पादन की निगरानी करेगी तथा प्रक्षेपण के अनुसार इकाई का संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य की आईजीए की प्रगति और निष्पादन की समीक्षा करनी चाहिए तथा यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए ताकि इकाई का संचालन अनुमान के अनुसार सुनिश्चित हो सके।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पाद की गुणवत्ता

ग्रुप के सदस्यों की फोटो-

Annexure -I

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House Meeting of the group...Jagriti...........held on.22-08-23..at......Been.........that our group will undertake...Turmeric Powder Production...as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA assisted).

प्रधान/ सचिव/ कोषाध्यक्ष
S.H.G. जागृति
ग्राम पंचायत

प्रधान/ सचिव/ कोषाध्यक्ष
S.H.G. जागृति
ग्राम पंचायत

Business Plan Approval by VFDS

..........Jagriti........ group will undertake the.....Turmeric Powder Production.....as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA Assisted). In this regard Business Plan of amount (Rs).........1,86,000.....................has been submitted by this group on dated.....22-08-23.....and this business plan has been approved by ....Been Padhechi.....VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank you

Signature of VFDS Pradhan
Secretary
Village Forest Development Society
Been-Padhechi

Signature of VFDS Secretary
President/Secretary
Village Forest Development Society
Been-Padhechi

Submitted to DMU through FTU

Pratibha Sharma

Name & Signature of FTU Officer	**Name & Signature of FTU Coordinator**

RANGE FOREST OFFICER
KOTI FOREST RANGE

Approved

Name & Signature of DMU Officer

DFO-cum-DMU OFFICER
JICA FORESTRY Project
SHIMLA